

नवरात्रि सने पूजा विधि

चि२

नमः गलभय ॥ ८ ॥
अथ नवरासनाविति
धौत ॥ ८ ॥ वद
नवरासनभसवथा
ल ॥ मालक गाललाच
कावआचमस्वषल
मनुवी कावषाभयाम
यासभावमलंखनहा
य ॥ रुटधक ॥ पतुवा
सनगीकैलचाकधीय
नाळावाल्लानूखऊ
पावसथूळवगिकन
यादथूसनय ॥ मूलन
रिः साधन ॥ मूलस
३ ॥ शालग्रयदिग्बन्ध
न ॥ अथमल्लसमूल

मूननतज

ASHA ARCHIVES 3324

सूतन (भाषन) याम १० ॥ १ ॥

नहि स्वधासुतये ॥
 गिकानययक ॥ ५५
 वासपूषु वासननगि
 कनचाकछवयाधः
 पंचांकुसुतयमन
 थ ॥ ५६ ॥ श्रीं सो पापू
 ऊँ न कार्त्तय ॥ ५७ ॥
 सुह ॥ ५८ ॥ मनुन ॥ ५९ ॥
 तच्छाल ॥ ६० ॥
 यन्मीमगला काली ॥
 ति ॥ मरुतसोममाल ॥
 हिमययमाथनहन ॥
 सिन्दूरन गिकाय वल्का
 नम्रमयण ३ दान वाय
 रथ ३ ठा ३ दाल लसां मरु
 त सिन्दूरनय ॥ याताम
 ननपं व वलि गिव ति मू
 लवलि मरुकात वलि ॥

अवलि वामू अवलि या
 निनी वलि ॥ अघी ठी रवे अ
 र्य पागु आदिया न था य
 ता यहा ले ॥ सकल नां वा
 या वन य ॥ ॥ स्नानादि
 वन्दन सिन्दूर कनक ज
 मका स्नाने कृत ॥ ॥ दू
 यां बलास कृष्ण न धि स्थी
 नया वलि न हान ॥ अथ
 ॥ अथ वरोह नि ॥ अथादि
 ॥ नैया वचन्या मा वृथा
 मही मनिजला वला जा
 वल्ले सुचिलं कानं व
 न स्थाप्य सि नो ह वें ॥ ३ ॥
 अस्मत्स्वप्न सिद्धि जय
 काम ४ कांक्षय एतद्वा
 स्मत् आदिनां गपयि वा
 नानां सर्वगं कुरुय जय

फा।

स्य यथागतं कुरुतः
यास्यार्थं सा नदी यथा
नायनं सा पनं वन
सा यमि नारु वस्ति
सा पय व नारु व ॥
गाय हा ले ॥ नमस्का
नया य ॥ निमिन व नाश
पूजनं ॥ ७ ॥ ॥
नमो इति ॥ ॥ अ
थ पूजा याय ॥ ॥ अ
लगाधनी ॥ ति तत्वन
नासिया ॥ ३ ॥ श्री यादि
॥ का म्भ परम्भगा समदा
दीनां सय निवा नाक्ष
सर्वगं ॥ अथ त्वय थ
मभुा कुरु ल काम ॥
ग्री २३ ग व सुदि ००
दव ना पूजन कुरु ॥

सूक्तो यम्य च नमः ॥
पूर्य २ ॥ ॥ अनुम सु
लपूजनं ॥ ने गुन पाद
कल्या नम ॥ ३ ॥ नम
कार्त्त ॥ स्तानं कु य ॥ ॥
आसन नय ॥ ने प सा
सन या पू ॥ ने प शास
ने या पू ॥ ने कृ म्मा
सन या पू ॥ ॥ लाह
ले ॥ ॥ ॥ अस्मय रुद
खाल सति का व वाय ॥
ने दं रुद व रु प ॥ ॥
०० ॥ ॥ देम दा व नू च
न याय ॥ न्या स ॥ दां द
दया दि ॥ ० ॥ अर्वा पू
जा ॥ ने की थी कृ स्ती
ऊल या रु पूजा या पिज
॥ य ० रु पूजा ॥ ने वं

३ नं श्रीं कृष्ण वरु क नाथ

द नार्कतपूष्यं नमः ॥
 धनं प्रत्यार्जनं ॥ ताल
 यदि गव्यं न ॥ लख
 नथ मय वष्य लजनं
 सं ॥ लय ॥ ४ ॥ अस्माय
 रुट् ॥ ०० ति ॥ नतः सं
 खपूजा ॥ ॥ अथ गी
 याय स्थापन ॥ ॥ ह
 नगुदि ॥ नं कां गी धू
 क्षे ॥ अर्घा सं खया ल
 खनथ मलाय ॥ अत
 अकृत सिन्दूर स्वां च
 य ॥ गु नृत्येन ॥ अ
 लय यां रुति ॥ ॥
 धन आय ॥ धी सं द

लो॥ वी न॥ ॥ य॥
 वलि॥ नं मयूनास
 पापूँ कूँ कूँ कूँ कूँ
 कूँ यो नाय वलिं गृ
 कूँ २ स्वाहा॥ नं सिंहा
 स्त्रयै योज॥ नं यों यू
 यै यों य॥ या गित्याव
 लिं गृ २ स्वाहा॥ नं य
 नास्रयायू॥ नं कूँ वा
 मूँ मय वलि गृ २
 स्वाहा॥ मूँ स्वास्रया
 पू॥ नं गगूँ गे गे गे
 गल्लगमय वलि गृ २
 स्वाहा॥ वदनसिंहा
 खान स मयकाय॥

यवि लिं गृह २ स्त्रा हा ॥ जे न ना स्त्रयायू ॥ ३ न ना

ऊप ॥ वीडा ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३ ॥
गं ३ ॥ स्त्रा ॥ वरु क
कृत्वा लं च चामु अथा
गिनी त था गलि ग वि प्र
रुक्ता नं । यं च द व न मा
मुते ॥ अरु ग म्मादि ॥ स
मय काय ॥ वि ॥ ३ ॥ ओ
वाहन द गु न क नी या
नि को द्य म्मा ॥ वि न्दू ॥
आवाहन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मलु ता नं क मय द नि
हि ता न न्द ग कि ३ सु री
माह हिं ना य च वु क त्व
कृत्वा नं प ३ कं वा न
मर्क व लान ३ य ३ का

अथ न न यि च वु ना
गरु ता मलु ल दं सं
हृ द्य न न त स्त्रे न म
त गु न व नं ह न वं गी
कृत्वा ॥ ॥ अथ गि
वलि ॥ आ स्त्र ॥ नं नः
ना स्त्र पायू ॥ नं कृ क
कृत्वा कृत्वा पा ला य पा
यू ॥ वलि ॥ आ स्त्र ॥ नं
मयू ना स्त्र पायू ॥ नं कृ
गं कृ कृत्वा कृत्वा वु क
ना था य पायू ॥ आ स्त्र ॥
नं म्मा स्त्र पायू ॥ नं
कृ गं गी गूं गी गं गय
त थ पायू ॥ वलि ॥

वलि ४

अरुणा

ॐ द व च न सि न न
पूष धूप दा य न व द्य ॥
का य ॥ नै पू न ४ ना च
म नी यं न म ४ ॥ गु र्याः
कु लि ॥ नै ऊ रु रे स रे
हे न वा न न्य वी ना धि
प त ये श्री म हा वी द्या
ना ऊ च श्री स रे श्री उ
ग व धु म ये पा पू ऊ ॥
नै ऊ न म ४ श्री ऊ च धु
म ये न म ४ श्री ऊ या
पू ऊ ॥ व लि ॥ या नि
मै दा ॥ ॥ य सि वा
व ॥ जं जं न द व धु
दि स या य ॥ व लि ॥

या नि म द्या ॥ ॥ ज
थ का ला य नी पू जा ॥
आ स न ॥ नै सिं हा स
ना य पा पू ॥ च न्य ना
दि पू जा ॥ नै च न्य ना क
त पू षां न म ४ ॥ गु र्या
ऊ लि ३ ॥ नै ऊ ऊ स ४
म हा द र्ज न व धु का
ला य नी पा पू ॥ व लि
॥ नै हं ये या दि स ४ या
पू ॥ व लि ॥ ॥ अथ
पु म्भू त श्व नी पू जा ॥
आ स न ॥ नै सिं हा स
ना य पा पू ॥ च न्य ना
दि पू जा ॥ नै आ वा द

नादिवन्दनाकृतपू
र्यं ३ ॥ उवाङ्गलिव
॥ रगवतीवली
कायायनीकुम्भ
प्रभ्वमीपापूज
॥ वलि ॥ यानिमूडा ॥
पलिवानपूजा ॥ न
अं वक्रान्मादित्य
पापू ॥ वलि ॥ ॥ सि
दिलक्ष्मीपूजा ॥ आ
सन ॥ नं हं महापेता
मनायनमः पापू ॥
उवाङ्गलि ॥ नं जशु
मासिदिलक्ष्मीदेव
आपापू ॥ वलि ॥ म

दा ॥ पवित्रावपूजा ॥
नं मादि सपवित्रा
स्यः पापू ॥ ३ ॥ ॥
दं वलि गृह्णस्वाहा ॥
॥ नं तिउगवकुसिद्धि
लक्ष्मीपूजन ॥ ॥ ७ ॥
नतः लीमपूजा ॥ आ
सन ॥ नं नकयया
स्रपापू ॥ उवाङ्गलि ॥ ३
नं जललीहमाह
मस्यनाद
पद्ये मकि सहि
मायपापू ॥ वलि
मूडा ॥ ॥ महाका
लयूजा ॥ आसन ॥

नृपनामनाय २ ॥ जया अ
लि ॥ नृं म हा का ला य पा
पू ॥ ३ ॥ व लि ॥ ०००
व लि ग २०० ॥ नृं ह
का दि पा पू ॥ व लि
ग २०० ॥ २००
मू ॥ ॥ अथ क
व लि पू ॥ अ स न
॥ न न ना स ना य २ ॥
उ या अ लि ॥ नृं क
क या ला य पा पू ॥ व
लि ॥ नृं अं अं अं अं अं
दि पा पू व लि ग २००
हा ॥ २०० मू ॥ ॥ च
मू दा पू ॥ अ स न ॥
नृं न ना स ना य २ ॥ ३ ॥

या अ लि ॥ नृं अं अं अं
वा मू दा य पा पू ॥
व लि ॥ नृं अं अं
का ना दि पा पू व लि ग
हा ॥ का य मू ॥
॥ दू सा ना पू ॥
उ या अ लि ॥ नृं ग
अ य पा पू ॥ कं क
पा ला य पा पू ॥ वा न
॥ नृं नृं नृं नृं नृं नृं
पू ॥ ॥ का य मू ॥ नृं
॥ नृं नृं नृं नृं नृं नृं
पू ॥ ॥ व लि ॥ ॥ ना स न
॥ नृं नृं नृं नृं नृं नृं
नी म कि स दि ता य पा पू
॥ व लि ॥ ॥ थ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
पूज ॥ वलि ॥ ॥ श्री
म ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
यदीदं वृत्तीपापूजे ॥ व
लि ॥ ॥ गिरिजाय नमः
॥ श्रीगिरिजाय नमः
हरे नमः श्रीपापूजे ॥ वलि
॥ ॥ दगुलिदेव ॥ ॐ
श्रीगिरिजाय नमः
श्रीपापूजे ॥ वलि ॥ ॥
देवदेव ॥ ॐ नमो भगवते
नमः ॥ ३ ॥ वलि ॥ मूडा
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
अथ वलिमूल ॥ कां क

उवाचा यवलिं गृह्ण २ स्वा
हा ॥ वां वदूकनाथा यव
लिं गृह्ण २ ०० ॥ गं ग
नयत यवलिं गृह्ण २
०० ॥ यां सर्वथा जिनी
स्था वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥
वां वामूठायै वलिं गृ
ह्ण २ ०० ॥ दूं महाका
नाय वलिं गृह्ण २ ०० ॥
दूं महाकरवीरम्भम्भ
नाय वलिं गृह्ण २ ०० ॥
ॐ हनुकादिभिरुपनामा
दिबुद्धवस्तुदिबुद्धाश्च
दिऊयादि सर्वगण

श्री वलिं गृह्ण २००॥
विष्णुना देवी वलिं गृह्ण २
००॥ जे वाल की मानी द
वी वलि गृह्ण २००॥ जे स
र्वेश्वर तपु तपि मयना
रुस किं न न जाक जा किनी
गृह्ण का म वा निनी वायू
पी १० श्री वलिं गृह्ण २००
जे सर्वेश्वर देवेश्वर वलिं
गृह्ण २००॥ जे जे मी सर्व
देवता उगु वधुदि सिद्धि
लक्ष्मी देव देवी श्री गृह्ण
विष्णुना देव वलिं सहि
तानु मम सकल इतिना
पम ॥ यमि य कामना
र्थ ०० दे वलिं गृह्ण २००
॥ ॥ ॥ समय वलिं वि

१ जे हं र स र वलिं गृह्ण ०

य ॥ समय न्या नु कृ य
॥ पञ्चमं क म गृह्ण सहि
तानु मी पा नु स धु दा वलि
विष्णु ॥ जे जे उ दु र्द वु क्रा नु
ता ॥ मदि विष्णु ठि म गान
रुतल निष्क ले वा पाता
ले वा न ले वा स लिल गव
नथा यगु कृ नु सि ता वा
॥ कृ नु पी ॥ प ॥ पी ॥
दि मि विदि मि कृ न प दा
पृथु पा दि के न पी ना
दे व ॥ स दान ॥ गृह्ण वलि
विष्णु ना या नु वी व नु व
आ ॥ ॥ श्री गृह्ण हि प र्द
हि पृथु नु द हि ता ये व व
धनु विद्या य ॥ मदि सहि सर्व
मनि कृ नु २ वलिं गृह्ण
॥ ॥ ॥ जे न सम स

०॥१

[illegible]

धूपं ॥ दापे नमः ॥ रु
 लं नमः ॥ नैययं नमः ॥
 मध्या ॥ नैययं ॥ ॐ हृदयं वल्यु
 गवन्मुदि सैवेत्यः ॥ ॐ हृद
 यकां नविविधं सर्वमाद
 कादि समन्विर्नरुलदास्वी
 कादादि नृपकां यनमभ्य
 ना ॥ नयन ॥ नृनः नृ
 वनत ॥ मुखसुदि काय ॥
 नैययं ॥ ॐ हृदयं वल्यु
 गवन्मुदि दवल्यः ॥ नाप
 लादि मुखमुदि नमः ॥
 कायसः ॥ सुयगिष्टान
 नदारवन्तु ॥ ॥ मन्त्रा
 न्ना ॥ जय ॥ नैययं ॥
 १००॥ १००॥ नैययं ॥

उंङां सं ४०० ॥ १० ॥
उंङां ०० ॥ १० ॥ ऊय
सं ०० ॥ १० ॥ ऊय
ऊय ०० ॥ १० ॥ ऊय
मं ०० ॥ १० ॥ ऊय
याय ॥ उं गु नू पा इ क
स्यान म ॥ १० ॥ ऊय
कं ०० ॥ १० ॥ ऊय
हान कं ॥ १० ॥ ऊय
हं ०० ॥ १० ॥ ऊय
कं ॥ १० ॥ ऊय
लं ०० ॥ १० ॥ ऊय
तथा ॥ १० ॥ ऊय
नं ०० ॥ १० ॥ ऊय
व ०० ॥ १० ॥ ऊय
य ०० ॥ १० ॥ ऊय
य ०० ॥ १० ॥ ऊय

कृष्णिकान्नमाम् ॥ ३ ॥
ऊयनीमङ्गलाकावीर
दकालीकपावीली। दूनी
कृमानिवाधागीखाहास
धानमाश्नुते ॥ ४ ॥ नू
दचंगयचलुचचलु
मचलुनायिकाचलुच
वतीचवचलुनूपातिच
लुको ॥ ५ ॥ ऊयायवि
ऊयावेवशूजिनावाय
नाजिना। ऊमूनीसूमूनी
माही। ऊफर्षनीस्थान
मामुते ॥ ६ ॥ वाफ्रीमा
हंम्वरीवाहावेधूवीमू
करीमूखी। उंनुवामू
लिकालक्री। ऊगन्मान
नमासुते ॥ ७ ॥ ऊयायदा

नवतानि पत्रनि वील
यहिनि ई ४ ख ग य हा
नानि ह्यमिदिल श्री नमा
म्यहं ॥ ८ ॥ ए म न्न यं हा
कार्ध न क व र्ण सु त ज
सं वायु पू ण ४ म हा टी
व ४ ए म ह न व त म
म ४ ॥ ९ ॥ सु र्व मा न्न ल्य
मा न्न ल्य वे नि सु वा थ
सा ध क ॥ १ ॥ य ल्ये शु २
व क ॥ २ ॥ श्री ना नाय ना
न मा स्तु त ॥ १० ॥ थ न
रु न सा मा न्न सा न्न याय ॥
ॐ नमो वा न्न न द वा
न क स द वा न्न व द वा
ना ॥ ११ ॥ ई वा न न द

वा न न द वा न्न न द न म ॥
॥ १२ ॥ ॥ सु र्व मा न्न ल्य
ला न्न क म य द नि हि ता
न न्न म कि १ सु र्व मा न्न
हि न्या य व र्ण क त्व कु ल
कु ल ग त प ४ क वा न्न
ध द व त्ता न्न प ४ का न्न
४ पु न न यि व र्ण न त रु ना
म न्न ल्य द स र्व स र्व न न
सु न म न्न गु न्न व न्न व
व र्ण क र्ण ॥ १२ ॥ ॥
प न्न व र्ण मा नि क्रि य
क र्ण नि र्ण म या द सा
ह मि ति मा म त्वा द म न्न
य न्न म न्न रि ॥ १३ ॥ वा क्क ॥
का ४ य ॥ १४ ॥ सा द
दी ना म य रि वा ना दी

सर्वेभ्यः कृत्वा यत्वेन
यथाभ्यासमुक्तरूपा
फिकासः ४ सातदीयया
त्रायदास्कायनसातदी
यउगुवलादिनूद
वतापूजासंपूर्णकृत्वा
गुमन्धपूष्यधूपदीपा
जनविरोधोत्सर्ववि
धियविपुर्णममु॥ के
नने ॥ यक्ष्मज्ञाज्ञा
ज्ञददपुष्पमया निमू
दानं याय ॥ ॥ सम
यक्ताय ॥ दिदूय ३ ॥
दवाभिर्वाह ॥ ज्ञात्मानि
वाह ॥ संसयालखन
अलिखकविद्य ॥ वाक्

अस्मात्सर्वनायगीउगु
चलुं दीक्षदवतापूजा
नसंपूर्णार्थअलिखक
समदुलिममु॥ चन्द
नवसिन्दुलनविच
कखानसकलसुविय
थवर्तकाय ॥ न्याससि
काय ॥ नासिय २ ॥ सु
र्याधयाय ॥ काश्चप
ण्मयासमयादीनां सर्व
भक्त्यैयत्वेयथाभावे
करुलकामः ४ गीउगुवलादी
क्ष्मपूजासंपूर्णार्थक
तं कम्मलसात्रिणीया
सुखायार्थनममाप

दवता ॥ ॥

श्री २॥ यिहा वयाव सम
 यलक्ष्मी ॥ ॐ तिस्रव
 नायन विधिः ॥ ७ ॥
 धन सन्नि कुरु पूजा वि
 विधि ॥ ॥ नो सिय २॥
 जंत स्वा तय ज्ञा स ॥ सु
 या स ॥ वाक्क हव न २॥
 गुन न म स्का न आ स न पूजा
 ना ह न ॥ स्वा ल स छि का ल वा
 य द ग दि न नू न न ला स ॥
 अर्घ्य पूजा स ह्व स्का प न ॥ या
 उ स्का प न ॥ त त ह्व दि आः
 त स पूजा गु न न य ल आः
 त स उ यां ज लि ॥ दे व आ वा
 ह न ॥ ति दे व पूजा ॥ मूल
 आ स न ॥ मूल उ यां ज लि
 श्रव च व लि

वलि ॥ उ ग च छु सि द्वि ल
 श्री आ दि ह व या ॥ थं ॥ दे व
 व सि वि स रू न या य म त वः
 व लि थ य म त व म व स
 क ल उ थं स फ र्व पूजा उ
 थं ॥ ॐ ति द्वि ती पूजाः
 विधि ॥ ॥ सु फ मि क
 रु य रु उ धा ल ख ल वा य
 वं सु चि या ण व मा ल के
 द र्वा ता ल ना च क न य ॥ ॥ अ
 थ अ र्घ्य मि पूजा ॥ ॥ ७ ॥
 ४ न्या स या य ४
 अमी कुरु ह्य पां पा न ह ह
 नि एा र्ज न धू न के ॥ मार
 का आ या व लि आ दि स क
 ल ना वा य ॥ ॥ स्ना न च न्द
 सि न्द्र न अ क न उ ज म का

पुष्प मृ त अ स्ति उ दि

३२ म १९३३

३२ म १९३३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३३ ॥

(मन्त्रविनमायुत ॥ का ॥
 य (मन्त्र) सुदोदीनां स
 पवित्रादीनां सर्वमन्त्र
 दयक यत्न यथा मन्त्र
 कारुण्य पापि कामः सा
 नदीयमहः। एमी धाव
 अथ वलस्कायुस्मिन्नारु
 वस्मिन्नस्कायु वनात्तव
 (वन्स्कायुस्मिन्नारुव ॥ २
 ॥ कुमनं नमस्कृत ॥
 ता यहात्र ॥ कुत्तिवहा
 ॥ ॥ न ता देवता पू
 जनं ॥ ॥ मन्त्र १ नञ्जल
 (मन्त्र) ॥ कुत्तिवहा
 मन्त्र ॥ ३ ॥ सुयोध्याय
 ॥ अथादि ॥ वायु ॥ का
 मन्त्र (मन्त्र) ति ॥ कुवया
 (र्थ) ॥ सावदीयमहः

मीयावन्त्राडगुवधु
 दिव्दुष्ट देवतापूजनक
 दुग्गीसूयाय अर्घ्यं न
 मः ॥ पूर्यं नमः ॥ ॥
 वनवलासुजाया दार्थ
 सुत्रमलुल ॥ अर्घ्यं भस्व
 अर्घ्यपात्र स्थापन याय
 ॥ आत्मपूजायाय ॥ ॥
 न ता भानी साधनं ॥ सती
 मिनासर्व कननदं कद्र
 वनं ॥ सुत्र कवन्दनन
 त्रिकोटी वाय ॥ अर्घ्यं भस्व
 खयालनं हाय मीयाव
 यातीर्थन हाय ॥ रुद्र ॥
 धर्कं ॥ रुद्र ३ धर्कं दाय
 चीलापत्रिदन ॥ रुद्र २ ध
 कं अवधुत्तुनं ॥ वं ध

कं धनमूडाकन ॥ रुद्र
 २ गालगुयदि ग्वन्धनया
 य ॥ नमः धकं वरु खान
 कि नय ॥ ॥ पू ५ ॥ ग
 लु च्याय ॥ मा रुनीदल
 तिस ॥ त्रीं त्रीं ॥ वा द
 नय ॥ ॥ गमय गान मो
 रुनी रु य ॥ अथ वा ग
 यगी म स न सा मूल म न
 न रु य ॥ ॥ पूजा ॥ ॥
 मा रु नी न मः ॥ ३ ॥
 न ति मा रु नी सा ध न ॥ ॥
 वृ न या य कं खा धूं जा दा व
 ॥ ग्री स व रु मि लु ला नं ति
 सु ग वा द द व द वी न्ना वा
 रु या य ॥ पञ्च वलि वि
 य ज ॥ स स्व मू डा ॥ सम
 य का य न्या न का य ॥ रु
 वि लु न यी न ॥ द व आ वा
 रु न ॥ वि वलि स व लि
 वि य ॥ वि द व पू जा ॥ ३ ॥
 मू स पू जा ॥ व लि ॥ म

उ ग व लु ॥ का ल्या य नो ॥
 वृ न ग्व नी ॥ प वि वा न
 पू जा ॥ ॥ सिद्धि ल श्री पू
 जा ॥ व लि मू डा ॥ ध न न व
 रा स न या पू जा या दा थ
 पू जा या य थ लि लि पू जा
 या य ॥ ॥ थ वि लि पू जा
 या र्क पू जा या य मा ल ॥ रु
 रु म ॥ उ ग व लु ॥ का ल्या य
 नी ॥ ध न नि क न व ला पू
 जा स या दा थ या य ॥ ॥
 उ म्बू न ग्व नी पू जा ॥ अ स
 न ॥ उ या अ लि ॥ व लि मू
 डा ॥ प वि वा न पू जा ॥ वृ का
 य नी ख लु पू जा ॥ आ स न
 ॥ जं हं सा स न या न म ॥ अ
 व का य दा द वि या पू
 ॥ मा रु ग्व नी ॥ आ स न ॥
 उं वृ वा स न न मः ॥ पू जा
 उं कं मा रु ग्व नी द वि या

पूजा ॥ ॐ कोमारी ॥ आस
न ॥ ॐ मयूनासनाय ॥
पूजा ॥ ॐ वं कोमारी दे
विषा पूजा ॥ वलि ॥ वि
ष्वी पूजा ॥ आसन ॥ ॐ
गनूनासनाय ॥ पूजा ॥ ॐ
टं वं वी देविषा पूजा ॥
वलि ॥ ॥ वानादी पूजा ॥
आसन ॥ ॐ महिषासना
य ॥ पूजा ॥ ॐ टं वाना
दी देविषा पूजा ॥ वलि ॥
॥ ॥ नूनाय वी पूजा ॥
आसन ॥ ॐ गनूनासनाय
॥ पूजा ॥ ॐ पं नूना
य वी देविषा पूजा ॥ वलि
॥ ॥ वामूना पूजा ॥ आ
सन ॥ ॐ यनासनाय ॥
पूजा ॥ ॐ यं ममूना दे
विषा ॥ वलि ॥ ॥ म

हालक्षी पूजा ॥ आसन ॥
ॐ सिं हासनाय ॥ ॐ मं
महालक्ष्मी देविषा पूजा
॥ वलि ॥ ॐ देवलिं गृ
क २ स्वाहा ॥ सुख मूडा
कन ॥ ॐ मि ॥ ॥ सिद्धि
संक्षी पूजेनं हवया ॥
जिया ॥ ॐ लि ३ ॥ वलि ॥
परिवान पूजा ॥ ॐ मि ॥
॥ ॥ नवनाम पूजा ॥ ॐ
गुचुनायामूलन गय ॥ ॐ
लि ३ ॥ वलि मूडा ॥ ॥ भक्त
मा ३ पूजानमक ॥ ॥
नला महाकाल स्वामी पू
जा ॥ आसन ॥ ॐ महा
यनासनाय ॥ ॐ हं म
हाकालाय सर्वभूत
मदनाय स्वामी नमः ॥
॥ वलि ॥ स्वामी मूडा ॥ ॥

कृमादि अरु विरंजी
 वल्लो नमः ॥ वलि ॥ ॥
 भादनी मूजु ॥ जे सुं सर्व
 जन मोहि नी २ ॥ ॥ ३ ॥
 वलि ॥ ॥ कसकन पूज
 ॥ जे शिथन मः ॥ वलि ॥ ॥
 सिधव मू पूजा ॥ जे ग्री ल
 श्रोन मः ॥ वलि ॥ ॥ न
 ति ॥ ॥ महा कोल वलि
 पूजा ॥ ॥ क उ वलि पूजा
 ॥ ॥ वामु भु वलि पूजा ॥
 मालसा या गिनी वलि पूज
 न ॥ क व ॥ ॥ न भाद्र
 साद पूजा कृपा या थं या
 य ॥ ॥ समुदि पूजा ॥

वलि मूल ॥ जे वन नद ॥
 ॥ जे नद नादि धूप दीप
 ने वांय ॥ तथे न ॥ आच
 मर्न ॥ ॥ काय हात ॥
 जे यावद किमही सा मा
 यावदायुत्र विगु हा ॥ ॥
 नावस्यु कलजादीन् ।
 वृद्धा नां वत्य सादत ॥
 ॥ ॥ जय मुा गु ॥ कृमा
 मुनि कृपा या ॥ ॥ ॥
 माहानवमी सकनसा
 वृषि पूजा ॥ घणु पूजा
 र्दक ॥ ॥ ॥ कीमानी
 पूजा ॥ श्वन साल ॥ ॥
 अदि दग मी ह श्वन मू
 साल ॥ ॥ ॥ समय
 यावकन काय ॥ ॥ मू
 ल उ गु व लु न यो नी ॥ वि
 न्दु न र्द ॥ ॥ दवा मी

कोद ॥ ॥ आत्मा भी बोद
 ॥ अर्थात् स्वर्ग स्वर्ग श्रुति
 वंके ॥ वन्दे नादि न त्रिय
 ॥ मधुलसवा द स्वान ॥
 दवया के स्वान को कीय
 मग वः कुति दाव वा द स्वा
 नवनी कुय ॥ सकल सु
 स्वान विर्य ॥ ॥ देव वि
 स कुन म न व ॥ वरि वि
 स कुन वरि (था य म न व
 ॥ न्यास सिका य ॥ आव म
 न ॥ २ ॥ सूर्य सा कि थ
 य ॥ वाक्कः सा न दी य म हा
 र्मी पा व ॥ उ ग व लु दि
 ॥ देव वा पूजा स पूरु
 ॥ कुरु कर्म सा कि (न म
 सूर्यो य अर्चन म ॥ १ ॥ पू
 र्ण नमः ॥ ॥ विहा
 व या स म य का य ॥ हा ज
 नाने ॥ ॥ ति म हा
 र्मी पूजा स मो फा ॥

॥ अथ महान वमी पूज
 नी ॥ ॥ निष्क कर्म पून के
 ॥ वडि हा य न व लिन न
 ॥ स्नाना दि व न स्वी के न
 ॥ ॥ पूजा आ ल म्हा य
 ॥ नि न त्व न ॥ ना मि य ३ ॥
 अद्यादि ॥ सूर्यो द्य ॥ वा
 क्क ॥ महान वमी पा व
 ॥ ग्री उ ग व लु दि नं
 ॥ देव वा पूजन कर्तु ॥
 पूर्य २ ॥ ॥ उ व म लु
 ल पूजा दि म हा र्मी व
 द्वा या क पूजा या य मा
 ल ॥ ज य म्हा र्मी व न के
 ॥ ग्रा म ली वान म न व नि
 ॥ अ ग्ना आदि ॥ ॥ व
 चि पूजा ॥ स र्व न सि न
 रु द्ध के ॥ नमः ॥ धर्मे
 व न सि ध र अ क न स्वा
 न न य ॥ ॥ पूजा य य ॥

जों कालिखंडु मन्त्रि लाह
दलुमय नमः ॥ ३ ॥ मुनि
॥ खेया यखलूना मयम
कि कार्याय न स्यन ॥ प
मुकुं यस्त्वया मीर्यु खम
नाथनमा मुने ॥ कतन
॥ सवून क्का य ॥ ॥ ॥
पमुयु जन् ॥ सल क्का प
मुह मुह सना पनिय क्का
वन क्का नम मुल (थल
(थ न ववा जाल न य ॥
कल खन द्गुह स पि
या वे न वल वलि स न य
॥ ५ ॥ अमुय द् ॥ ३ ॥
अर्घाया लन होय ॥
रुट ॥ रुट ३ वकं योया
पवि नदीय ॥ ५ ॥
क अरु गुल न यो य
वंधकं धन मूडा कन

रुट ३ काल य दि न म न
या य ॥ उगु वलु मूल
न प लु या निव स थि स
(मध न या य क ३ ॥
मान या वकं ॥ वन्दना
दि खान क्का द्गु लि न क्का
वकं ॥ यूजा या य न
य न वन म ॥ ३ ॥ यमु
या क्का पं क ल ख का या
व क्का क न या व म य
ली म नु कन ॥ नि प लु
या म य वि द्गु ह वि म्भ
क म्भ (धी म हि । न नो
जीव ॥ पु वा द या ॥ ॥
वन्दन य क्का अ क न स ख
का या व प मु या निव स
न य ॥ जे अ वा क ना दि य
न्द ना क न पु क्का २ ॥ ५ ॥
दी प न य ॥ स म य न क
॥ पु न या व म न ॥ उ ग व

लुम मूलन पूजा ॥ ३ ॥ ॥
 कमा ॥ यद्वाथ विसय
 सुखा सुयमवस्वयं तु
 वा ॥ अतस्त्वांघानया साध
 तस्मा अस्त्वावध ॥ ४ ॥ क
 तन ॥ ॥ संकल्प ॥ अ
 ध्वतवना रुक्म्यं वे
 वस्वतमन्व नून कनि
 यूगपुथमवत ॥ अज
 म्बुदीप रुत तख ॥ लुआ
 योवरु पृथ्वस्तान दि
 सवत्या दय भु यनि संनि
 धान वाभु कीरुं उवाग्म
 सीद किदा कूलन पाल
 दग्ध नृग्न तल लिगपट
 नं नृदेवपू न्यहमी ॥ अ
 शादि ॥ काग्ध पग्मगु
 स्मात् नृनि आदि वाक् ॥
 सावदीय महानमी पू
 जा साग्ध नार्थ गीतु मुव
 लुदी एदव नार्थ सा

असायूधसयविवात्रुत्य
 वंमं कृगवर्तिवदिदे
 वर्गं तु स महं घान यिषां
 ॥ गानत ॥ मूहायक ॥
 हागवि य ॥ मूधुका य
 समयमत वियनक ॥
 ॥ ॥ घंथथय ॥ अग्म
 लावान ॥ कृमा मुनि ॥
 वाक् पूर्वव ॥ सावदी
 य महानवमी पूजा संयू
 र्धु ॥ अग्धदि ॥ नमस्का
 नयाय ॥ नृति ॥ ॥ ॥

अगा की मानी पूजन ॥ ॥
 मान क नाला वक ॥ नि
 ग्लन आवन ॥ ३ ॥ सूर्या
 र्ध ॥ अग्धादि ॥ वाक् ॥ सा
 वदीय महानवमी पूजा
 साग्ध नार्थ की मानी
 पूजानिमित्तार्थ कर्तुं श्री
 सूर्याय अर्घ्य नमः ॥ प

ध्यै २ ॥ गुन नमस्तुभ्यं ॥
 नमस्तुभ्यं मूलनमस्तुभ्यं ॥
 प्राणायाम ॥ न्यासयाया
 कां हृदयादि खड्गन ॥
 अङ्गकनाङ्गन्यास ॥ ५ ॥
 अर्घ्यपूजा ॥ अर्घ्यपात्रपू
 जा ॥ अर्घ्यपूजा ॥ ॥ ज
 वं वलिविय ॥ समयादि
 क्कय ॥ विन्दु नर्थ ॥ ३ ॥
 विदवपूजा ॥ वलि ॥ मू
 लज्जामनपूजा ॥ ज्योत्स्
 नि ३ ॥ वलिमूडा ॥ ॥ की
 मायीया अर्घ्यमनपूजा ॥ ॥
 महामयूनासनायनम ॥
 ध्यान ॥ जेनाई लोखवगु
 रीद्वी. वक्रवर्तुगिलावना
 ॥ गीर्कि माला काद्यविन्दु
 धृगां कीमात्रिकीरुज ॥ आ
 नपूष्य २ ॥ ॥ कखानजल
 नज्जामहनादि नय ॥ कीर्ज
 वाहनादि नन्दनायपूष्यन

म१ ॥ ज या ३ नि ॥ ऐं को
 वीं को मा नी द वे मी या द
 धीं पू ज ॥ ३ ॥ व लि ॥ मे
 डा ॥ ॥ य नि वा य पू
 जा ॥ कां ह द या दि ख उं मे
 स्थान म ॥ ॥ अं व द्वा आ दि
 मारु का र्था २ ॥ ॥ द्वा वने
 रु ग पू जा ॥ ॥ ज व स व द्
 क पू जा ॥ ॥ ख व स ग ल
 म यू जा ॥ ॥ उ व व लि ॥ ॥
 स गृ य पू जा ॥ ॥ डां अ ष दि यं
 क्रि वा कु र्था १ ॥ ॥ व लि मू
 ल ॥ ॥ व न्द ना दि क्का य
 ॥ ॥ की व न्द नं न म ॥ ॥ उ व
 न क व न्द नं २ ॥ ॥ द म रु
 म २ ॥ ॥ द सि न्दु र्ने २ ॥ ॥
 त त्य र्था १ ॥ ॥ धू ॥ ॥ उ व धू
 या २ ॥ ॥ उ ष दी या २ ॥ ॥ दी य
 ॥ ॥ उ ष दी या २ ॥ ॥ ने व द्या ॥
 ॥ ॥ द ने व द्या नि व द या मि

२॥ समय काय ॥ ॥ तथे
न ॥ की को मात्री दूरी स
त्रि वा नाये नथया मि २॥
आवन ॥ ॥ ताय हाल ॥
ने सु पुनि छाव न दारु वः
नु ॥ ॥ ऊप ॥ कृ ॥ ३ ॥
वद के ॥ ३ ॥ ग ॥ ल ॥ ३ ॥
मूल ॥ १० ॥ की मात्री ॥ ॥
१० ॥ २ ॥ ॥ १० ॥ उ पु व
कु ॥ १० ॥ ऊप स यो टी ॥
॥ दं रूपं गृ हा ल स्वा हा ॥
म गु ल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मं लु ल कि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
म मि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ की मात्री म पु ना नू री न
का जी न क वा स सी ॥ ग क
॥ वि न्द म डो ॥ ॥ ॥ ॥
नी न मा मु त ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
म म रे कि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

म्व नी कि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ वा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
न व मी पा व न्द की मात्री द
थ च न थि ली न स र्व प
त्रि पू र्ण म मु ॥ ॥ ॥ ॥
न म स्कार ॥ ॥ ॥ ॥
वृ कं काय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
स गु ल स क न न ॥ ॥ ॥
ग क य ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
क म न व ॥ ॥ ॥ ॥
गु ल सि ह ल स न या व म
ह नी आ य ॥ ॥ ॥ ॥
मा ह नी इ व न म ल या के
का य ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
य ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
का य ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
द वा मी वी द ॥ ॥ ॥
हि थ क व न्द न दि स गु
ग मा ह नी ति थ ॥ ॥ ॥
मा मी वी द ॥ ॥ ॥ ॥

कोमा यावती ह्यनं कुय
सकलसंविद्य ॥ ॥ न्यास
लिकाय ॥ वलि (थय) ॥ श्राव
मनस्योसादि ॥ वाक् सा
त्रदीय महानवमी याव
व्यकीमात्री पूजासंघ
स्तुतं कृतक संसादि
लागी सूर्यो यजुर्घ २ ॥
युष्मं २ ॥ कोमात्री माल
थसकाय ॥ ॥ नूति
ति कोमात्री पूजाविधिः
समाप्त ॥ ॥ ॥ ॥

न तादृव न डो ढावि ॥ स
वू वा कं न्या काय द वा दि
व ल्या दि द का स ॥ त र्थ
न ॥ जे ह या नु मा न ना स
वी ॥ स न डो ॥ स न ना वि
वा ॥ या गि न्या क गु या
ला ग्य म म द ह वा व सि
ना ॥ सि न्दु ॥ ॥ सं

खारिषे कं ॥ चन्द्रौ संधूत
 भारुनी सारुध्मा दिन न अ
 निवक ॥ ॥ देवाभीर्बोद
 ४ ॥ ॥ अत्माभीर्बोद ॥
 दया कं थाद स्वान काय
 म न व कूटि दं वं स थाद
 स्वान म पुनया स्वान न
 कूय ॥ यत्रिवात्र या नं
 स्वान वि य ॥ ॥ न्यास
 ति काय ॥ ॥ देव वि स
 ऊन म भ व ॥ वसिष्ठ
 यं म न व ॥ द्रव्यं लि
 त ल न ना सि य ॥ धन
 म पुन ॥ सूर्य सा कि ॥
 वा कू ॥ सार दी य म हा
 न व म ॥ पार्वत्य भा उ
 य व पुं दि ० ० देव ना
 पूजा ॥ पूज्यं थं कू न
 क म्म सा कि ॥ न गी सूर्या

यञ्जुर्धनमः ॥ पूष्यः २ ॥
॥ ॥ विहावयावसमय
हाथान् ॥ ॐ किमहान
वमीपूजनं समाप्य ॥ ७ ॥

अथ महादधामीपूजनं ॥
वज्रिहो यानवलिहो
व ॥ स्नानादिबन्धनाकृत
सिद्धवज्रमपूष्यकृत
पूजायाय ॥ ॥ त्रिहस्तन
नासिय ॥ ३ ॥ सूर्याधि ॥
अथादिवाक्यः सात्रदीय
महादधामीयावृष्ट्या
गवस्तुमदिष्टुदवतापू
जनार्थं कर्तुमीसूर्याया
धनमः ॥ पूष्यः २ ॥ ॥ गु
मगुलपूजादिअष्टमी
कुरुपूजायादाथैआत्म
पूजादित्थं पूजा ॥ ॥ धून
यास्यंदवीआहनं ॥ गुह्यं

वस्तुवान ॥ ॥ वस्तुनकु
मनसाकुरुकदवपूष्य
य ॥ वलिमूलधूपदीपन
वद्यसमयदकपदार्थका
य ॥ ॥ प्रतियु ॥ अथमगु
लस्तुगुलधूनक ॥ ॥ सम
यकाय ॥ तथैव ॥ नैव
कुदवभक्ति ॥ ॥ कस्तु
सगुलमाहनीविसर्जनं ॥
कस्तुनद्वि ॥ ३ ॥ अमु
रुह ॥ कस्तुदावकलभक्त
कायेमाहनीसगुलका
य ॥ देवयाककलभक्त
नअस्थिकयायमस्तुन
॥ वन्दनादिमगुलमाह
नीकाय ॥ देवागीर्वाण
ककास्तुनवराविसर्जनं
याय ॥ अह्निस्तुअह्नि
धकंकनन ॥ नवनास्तु
नकायावसकस्तुन
वयाकस्तुय ॥ नव

नाशुपूर्य २ ॥ ॥ वसाश
लकावदवीविमरुनया
य ॥ कस्यां तवा कदवान
॥ नंद ॥ नंद विजगन्ना
८. स्वस्मान्नमस्तु पूजिना ॥
मं वत्सनामीकुमुनरा
गमनायव ॥ हंगवेतिद
वियाथमकिपूजनाक
मस्तुपुमीद ॥ कतनअ
शंगिदिआनिमूडानरु
कासकनमस्कारयाय
वानर ॥ सकलस्यनंद
वविमरुपूर्यवत्सना
यहल ॥ विधिपुनरव
पुनरितिसनक ॥ ॥ अ
रिषकं सकलसंथवर्ग
कसंयासंखन ॥ कय
कनसकपांरुमिलरु
तयमास ॥ ॥ सिधुनम
नसयाकसिधुनदव
तकायमालि ॥ ॥ थ

तसकस्यानं उन्दनादिमा
दनीसगुयनतिय ॥ ॥
ॐ त्मांतीवोद ॥ मधुल
यास्वानदवयाकंयादस्व
ननवसास्वाननार्पथम
कूय ॥ सकलस्यार्गस्वान
नवनास्वानविय ॥ ॥ कू
मू० भापिनसकनन ॥ कू
मस्तुवकं ॥ मूक्तकूमथ
कापिनकिंयावविय ॥ ना
कानकिंआदिकुमनभ
पिनिविय ॥ ॥ कथदंका
यावकासाय ॥ गुनमूत
विन्दुतथनयाय ॥ कूम
यास्वांथवर्गकाय ॥ सक
लसंविज ॥ कूमलि
य ॥ ॥ कूमगीथसर्वद
नयातकाय ॥ ॥ सुम
यनापकुदंतीथसदिग
वियकाय ॥ गुनूदवत

लोमयाय ॥ पून लोम ॥
 जं अविना ॥ मरु वद हं अ
 उत्रासत्र सवव ॥ यो म
 (॥५॥ क रु यं नादिना अ
 लवस यद ॥५॥ वी क ॥ सा
 नदी ये म हा द म सी पा व
 यो म उ ग व पु दि न् र ह
 द व ता पू जा स य् पु र्थ म
 म य त्र कु म य् ता ना ग्य मे
 ग व र्थ न न ध न स न न स
 कान र ह्नि व म् ॥ वि न्दु
 न र्थ न ३ निय ॥ ५॥ ॥
 का स्य स्त्री का य या य ३ ॥
 मा त सा या पु व न्द न या य
 थ न ॥ ॥ न्या स लि का य
 ॥ रु व या (थं व लि (थ म
 यो नि म् डा न नू ग ल स द
 व ली न या य ॥ म हा व म
 डा म व लि वि स रु न ॥ ॥
 ना मि य ३ ॥ य म म यु ल
 स र्थ सा कि थ य ॥ य क

४ वलि वाय ३

सा न दी य म हा द मी पा व
 यो म उ ग व पु दि न् र ह
 व ता पू जा स य् पु र्थ म
 क म् य ल मा कि (५॥ ग्री स यो
 य अ र्थ न म ३ ॥ पू र्थ २ ॥
 ॥ ५ ॥ वि हा डा या व मा त
 के रु व न्द न दि पू य स
 म य वि य ॥ ला ज ना दि ॥
 क ल ड्का न् ॥ ५ ॥ ति म ह
 द म मी पू जा वि धि ३ म मा य
 ३ ॥ ॥ म् ॥ ॥ ॥
 न व रु ग मा स्य नि स व रु धि
 म र्थ ता ल म त वि य मा त ॥
 व लि वा य ॥ म हा का ल व
 दि ग हा नू र्वा ता रु स
 स वा य ॥ रु ग व लि थ सा
 वा हा न स वा य ॥ रु व न
 ना दि लि न र्थ स वा य ॥

१ क भा प ह्या ल म् पू न
विधिः ॥ ॥ वलि कृ पा
न रु क्त न य ॥ स्नान व
न्द नादि पू षा श्वे ल ॥ ॥
वि न त्व न आ व म न ३ ॥
सू यो र्ध ॥ अ धा दि ॥
वा क् ॥ सा न दी य प्र ह्या ल

मु ॥
आ उ ग व लु दि
नू म् द व गा पू जा क रु
मी सु यो य अ र्ध न म ४ ॥
पू षा २ ॥ गु न म गु ला
दि श्री पा ण पू जा ल म् पू जा
जा न ॥ ॥ धू नि द्या य द
ध वी आ वा हु न ॥ उ र्ध्व ॥ श्री
उ ग व लु दि श्री धू र्ध्व
व ना स प त्रि वा ना ना वा
ह या मि न म ४ वा पू ॥
धू नि स्था य क र्ण न ॥ प ॥
व लि य दि सा स क ल ना
मू न त्व नि ह्या र्ध न म् पू

जा या र्ध न म् ॥ ॥ उ
ग व लु द्या ॥ आ स न न
य ॥ ॥ धू नि आ वा हु न म्
जा या र्ध दि उ प वा न पू
जा म् माल ॥ प ॥ व लि
वि व लि म हू लो दि व लि
धू सा नान व ल् वा म् माल
ल ॥ व लि कृ पा न म् य
य ॥ ॥ क र्ण र्ध व न्द ना
दि स्नान का य ॥ उ र्ध्व
आ वा हु ना दि व न्द
ना रु न पू षा न म ४ ॥
या अ रि त य ॥ ३ ॥ व लि
मू द्या ॥ व वि वा न पू जा
॥ का ह्या नी आ दि स क र्ण
न व ना हु स पू जा या र्ध
या य ॥ अ प स्नान र्ध ॥
॥ ॥ वा क् ॥ सा न दी य
प ह्या ल म् पू जा वि ली

तत्सर्वं यत्रिपूर्वमु
 ॥ कर्तव्यं ॥ नमस्तुते ॥
 ॥ ॥ समयकालाय ॥ त
 र्थं नयाय ॥ ॥ गंगा
 हि संकवन्दनाति य ॥
 दवाभावाद् ॥ ॥ आत्मा
 आभावाद् ॥ मनुष्या
 दवया स्वानं कृत्य ॥ स
 कस्यानं विद्य ॥ ॥
 न्याससिद्धाय ॥ दववि
 सृज्य नमस्तुते ॥ वसि
 ष्ठाय मगदवदुधि
 कृद्गुतनितं राश्रु ॥ ॥
 यानि ॥ ॥ विगलनाय
 मने ॥ सूर्यसाक्षि ॥
 य ॥ वाक् ॥ सानदीय
 युष्माकं मृगोऽगुवधु
 दि ॥ ॥ दवनाय पूजासं
 पूज्योऽर्थं कृतकर्मसा
 कि ॥ ॥ सुभ्यामम

र्थं नमः ॥ पूर्यं नमः
 ॥ ॥ इति पूजा ॥ ॥
 ॥ ततोऽथ नमस्तुते कृद्गु
 वज्रिहायानवलिमगदं
 कृद्गु कृद्गु या ॥ ॥ पूजा
 याय ॥ वसिष्ठाय ॥ सु
 र्यसाक्षि ॥ ॥ विहा
 र्यं मगदवदुधिनं ॥
 नंति प्राप्तमृद्गु नमः
 मोर्ष ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 अथ वरुणी पूजाविधिः
 लिख्यते ॥ ॥ पूजास
 नं मालकायाः स्य नवरा
 वलिपात्रवायावतय ॥
 दवसानवन्दनमृद्गु
 सिन्दूरज्जमकास्वान
 काय ॥ ॥ ततोऽपूज
 नं ॥ विगलनमृद्गु मने
 ३ ॥ ॥ सूर्यार्घ्यं ॥ अथा
 दि ॥ वाक् ॥ सानदीय
 मृद्गु मृद्गु नवगुणी